

मी झूठ नि खुल्दू

अद्वै... छैच कपी
अपणा खुषी ...
छै छान... कै पर मौच
जु अतै दया...
कोच येकु खुष्णा SS
येकि छै कोच ।

छैच कपी गंगाजी पाणी धुयूं
जु अतैदया... ...
यू... ... कैकि कोखि भे
पैदा हुयूं ।

गिच्यु कयो मडकाणू छै
आंखा कयो घुरयाणु छै
दि खुणूत इनु छै... ...
जन अलिन्द खै देल्यु कच्ची ।

पर अटटा... ...
मी भि अपणा खुषी छौं
झूठता लगोलु ना SSS
ळगोलुत लगोलु अच्ची ।

तेरि अडच वा... ...
तु कया मि कया
अछि जणदी अछी पछयणदी
अछ्यु थैच पत्ता SSSSS
कोच तेरी अछै
कोच त्यारु खुष्णा SSSS ।

जैकी खुचिलिम खिल्या
जैकि माटिम हिटण भिखयां
तेरी तेरि कया... ...

हम भ्रष्टाचार के पापों
देखीं जै ... आज
आदिंच बोई...
पाच... ... गढवाल
भ्रष्टाचार... उंचो हिवांल ।

भोल...

मिन झूठत नि भवाल ।।।

पाराशर गौड
कैनडा

भन 14... 1... 1974 को लिखी थी .

अक्षीयत

जख...

मै मखंगा तो
मेरी लाशा को
ना तो जलाये ना ही दफनाये
डक तो... ...
चौरहे पे लटकाये

ता कि... ...

आती जाती जनता डके
देखे अके पहिचान अके
देखने के आद ये कहे ...
ये... ये तो... ...
हम मे अे एक था
जो मर गया तर गया
अच्छा हुआ ।

लेकिन... ...

मुझे मरा घोषित न करे
और न किया जाय
भगोडा कराव दे
हर राज्य मे मेरा नाम र्दज कराये

ताकि... ...

अगले आनेवाले चुनाव मे
सिहासतदान... ...
मेरे नाम पर राजनीति कर अके
उन्हे... ...
किसी के मरने जीने अे क्या
वो तो बोयेगे गिडगिडायेगे
ताकि... ...
अहनभुती के पोट पा अके ।

कामना

ओ करुणा मई
ओ ममता मई
ओ श्रुटी के राचयता
ओ भाठय सिधाते

कुछ ऐसा कर दे
ऐसा पर दे
भतांप धरा के हर दे ... ओ...

नित नये भूरज उगे
नित नई प्रभाते हो
धरा के आंचल मे
फूटे नित नये अंकुर हो
दरिद्रता हटे हटा दे
मानव का तू उधर कर दे ... ओ ...

असाहयो को मिले अभयदान
पीडितो को सम्मान मिले
अत्याचारो पर लगे अंकुश
मानवता को संजल मिले
प्रेम का रक्षक छंटे
कटुता मिटे मिटा दे ओ...

हो उज्ज्वल कामनए
फलीभूत हो आशाये
भानु पेग अर परुण का
परदहस्त हो जीवन मस्त हो
चहु ओर खुशी हो
खुश हो खुशहाली भर दे... ... ओ...

